चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम : 2024-28

समाजशास्त्र विभाग कोर्स करिकुलम

खण्ड-अ : परिचय

कार्यक्रम: बैचलर इन आर्ट्स (सर्टिफिकेट / डिप्लोमा / डिग्री / आनर्स)		सेमेस्टर -III	सत्र :2024-25
विषय : समाजशास्त्र			
1	पाठ्यक्रम कोड	SOSE-01	
2	पाठ्यक्रम शीर्षक	**अपराध और समाज (Crime and Society)**	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	DSE	
4	पूर्वापेक्षा (यदि कोई हो तो)	कार्यक्रम अनुसार	
5	लर्निंग आउटकम (CLO)	**कोर्स पूरा होने के बाद विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूर्ण करने में सक्षम हो सकेंगे-** • पाठ्यक्रम को अपराध की सभी प्रमुख अवधारणाओं को शामिल करने के लिए डिज़ाइन किया गया है विद्यार्थी को सामान्य और समाजशास्त्रीय ज्ञान के बीच अंतर करने हेतु सूक्ष्म अध्ययन करने में सक्षम बनाएगी। • अपराध की वैचारिक शिक्षा विद्यार्थी को अपराध के कारणों की गहरी समझ रखने में सक्षम बनाएगी • सजा की अवधारणा छात्रों को कानून की भूमिका, अपराध और सजा के विभिन्न सिद्धांतों को समझने में मदद करेगी। • विद्यार्थी को भविष्य में अपराध को कम करने में सुधारात्मक प्रक्रिया के महत्व की जानकारी होगी।	
6	क्रेडिट महत्व	04	क्रेडिट = 15 घण्टे का अध्ययन/प्रशिक्षण/पर्यवेक्षण
7	कुल अंक :	अधिकतम अंक :100	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 40

खण्ड-ब : कोर्स की विषय-वस्तु

कुल अध्यापन कालखण्ड (1 घण्टा प्रति कालखण्ड) 60 कालखण्ड (60 घण्टे)

इकाई	विषय-वस्तु	कुल कालखण्ड की संख्या
इकाई -I अपराध की अवधारणा	1. अपराध: अवधारण एवं प्रकार। 2. अपराध की पृष्ठभूमि एवं वर्गीकरण । 3. अपराध के कारण एवं निदान । 4. अपराध का सिद्धांत शास्त्रीय, समाजशास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक ।	15
इकाई -II अपराध की संरचना	1. विसंगति आपराधिता आत्महत्या : कारण एवं निवारण। 2. संगठित अपराध एवं श्वेतवसन अपराध, कारण एवं निदान । 3. सामाजिक बुराई और अपराध: शराब, नशीली दवाओं का सेवन, कारण एवं निवारण। 4. किशोर अपराधः प्रकार कारण और निवारण ।	15
इकाई -III दंड के सिद्धान्त	1. दण्डः अवधारणा, उद्देश्य एवं स्वरूप। 2. दण्ड के प्रमुख सिद्धांत। 3. परिविक्षा: विशेषता लाभ हानि। 4. पैरोल: विशेषता लाभ हानि।	15
इकाई -IV सुधारात्मक प्रक्रियाएँ	1. भारत में पुलिस और न्यायपालिका की भूमिका। 2. उपचार का संस्थागत रूप: बाल गृह। 3. भारत में जेल सुधारों का इतिहास। 4. भारत में बंदीगृह सुधार।	15

हस्ताक्षर, सदस्य एवं संयोजक (केन्द्रीय अध्ययन मंडल)

(1) (2) 10.6.24 (3) (4) 10.6.24 (5) (6) सपना (7)

खण्ड-स : अध्ययन स्रोत/साधन

लेखक	शीर्षक	प्रकाशक
पाठ्य पुस्तकें		
सी. वाइट, साउथरलैंड, एच.एडविन	वाइट कॉलर क्राइम	विन्टन प्रेस
एन.के.चराबत्री	इंस्टिट्यूशनल करेक्शनस	दीप एंड दीप पब्लिकेशनस
रानी धवन शंकरदास	पनिशमेंट एंड द प्रिजन-इंडियन एंड इंटरनेशनल पर्सपेक्टिव	सेज पब्लिकेशन
संदर्भ ग्रन्थ		
माइक एंड मगुइरे	द ऑक्सफ़ोर्ड हैंडबुक ऑफ क्रिमिनोलॉजी	ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस
जी. एच. मीड	माइंड सेल्फ एंड सोसाइटी	शिकागो यूनिवर्सिटी प्रेस

ऑनलइन स्रोतः ई-बुक्स/पीडीएफ e-books/pdf

1	https://www.swayamprabha.gov.in/index.php
2	https://vidyamitra.inflibnet.ac.in/index.php
3	https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject
4	https://descg.gov.in/

खण्ड-द : आंकलन एवं मूल्यांकन

अनुशंसित सतत मूल्यांकन प्रविधि

पूर्णांक 100 अंक	सतत आन्तरिक मूल्यांकन (CIA) : 30 अंक	अंत सेमेस्टर परीक्षा (ESE) : 70 अंक
सतत आन्तरिक मूल्यांकन (CIA) कोर्स शिक्षक द्वारा	आंतरिक जाच परीक्षा/प्रश्नोत्तरी परीक्षा (दो) : 20+20 कार्यभार /सेमिनार + उपस्थिति - 10 कुल अंक - 30	दोनो आंतरिक परीक्षा उच्चत्तर प्रप्तांक + कार्यभार में प्राप्तांक - 30 अंक के परिप्रेक्ष्य में अधिग्रहित किया जयेगा ।
अंत सेमेस्टर परीक्षा (ESE)	दो खण्ड - अ तथा ब खण्ड-अः प्र.1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न- 10x1=10 अंक एवं प्र -2- लघुउत्तरीय प्रश्न 5x4= 20 अंक खण्ड-बः वर्णात्मक प्रकार के प्रश्न-2 प्रति इकाई में से 1-1 प्रश्न हल करना- 4 x 10=40 अंक	

हस्ताक्षर, सदस्य एवं संयोजक (केन्द्रीय अध्ययन मण्डल)

(1) (6) सपना
(2) 10.6.24
(3) (7)
(4) 10.6.24
(5)